COMPARATIVE STUDY OF STUDENTS' ASPIRATION LEVEL AND VOCATIONAL APTITUDE

Dr Padma Shree

Department of Teacher Training, Vardhman College, Bijnor, Uttar Pradesh

विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरूचि का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ0 पद्म श्री

शिक्षक शिक्षा विभाग , वर्धमान कॉलेज, बिजनौर, उत्तर प्रदेश

ABSTRACT

School education has an important place in the education system of the society as a formal means. School is a special place where activities and opportunities related to life are provided to the child for the desired development. In the present study, a comparative study of the aspiration level and vocational aptitude of private and general school students has been done. On the students of class 10th, the results were obtained by statistical calculation by administering their own and professional aptitude scale at the level of the exam. From the obtained results it was found that the aspiration level and vocational aptitude of the private school students were higher than that of the general school students. If the aspiration level is high then definitely the vocational aptitude will also be high. In this way, it is very important for the aspiration star to be high in the life of a human being.

सारांश

समाज की शिक्षा व्यवस्था में विद्यालयीन शिक्षा का सशक्त औपचारिक साधन के रूप में महत्वपूर्ण स्थान है। विद्यालय एक विशिष्ट स्थान है जहाँ बच्चे को वांछित विकास करने के लिए जीवन से जुड़ी क्रियाएँ एवं अवसर प्रदान किये जाते हैं। प्रस्तुत शोध में प्राइवेट एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरूचि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों पर आकांक्षा स्तर मापनी एवं व्यावसायिक अभिरूचि मापनी का प्रशासन कर सांख्यिकीय गणना द्वारा परिणाम प्राप्त किए गए। प्राप्त परिणामों से यह ज्ञात हुआ कि प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों का आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरूचि, सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों की तुलना में उच्च पायी गयी। आकांक्षा स्तर उच्च होगा तो निश्चित रूप से व्यावसायिक अभिरूचि भी उच्च होगी। इस तरह मनुष्य के जीवन में आकांक्षा स्तर का उच्च होना अतिआवश्यक है।

IJRSSH

प्रस्तावना (Introduction) -

आकांक्षा स्तर का आधार वास्तव में अमूर्त चिन्तन से संबंधित है। विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के माध्यम से उनकी व्यावसायिक अभिरूचि पर पड़ने वाले प्रभावों को जाना जा सकता है क्योंकि व्यक्ति के आकांक्षा स्तर का मापन करने से हमें उस व्यक्ति की अमूर्त बुद्धि के बारे में पता चलता है। प्रायः यह माना जाता है कि जिस व्यक्ति का आकांक्षा स्तर जितना ऊँचा होगा, उसकी अमूर्त बुद्धि उतनी ही तीक्ष्ण होगी और वह अपनी अभिरूचि के अनुसार विभिन्न प्रकार के कार्य करने में सक्षम होगा। शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जो जीवनपर्यन्त चलती है और जीवन के प्रत्येक अनुभव से उसमें वृद्धि होती है। इस प्रकार शिक्षा का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है।

अतः शिक्षकों के लिए आवश्यक है कि वे विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर को बनाये रखें एवं पोषित करने के लिए उपयुक्त वातावरण निर्मित करें। उनकी जिज्ञासाओं को शांत एवं उत्प्रेरित करने के लिए उपयुक्त व्यावसायिक अभिप्रेरणा प्रस्तुत करें जिससे विद्यार्थी अपने आकांक्षा के अनुरूप व्यावसायिक क्षमता अर्जित कर सकें।

शोध के उद्देश्य (Objectives of the Study) – शोध के उद्देश्य निम्नानुसार हैं -

1. प्राइवेट एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर का अध्ययन करना।
2. प्राइवेट एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरूचि का अध्ययन करना।
3. प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरूचि के मध्य सह संबंध का अध्ययन करना।
4. सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरूचि के मध्य सह संबंध का अध्ययन करना ।

परिकल्पनाएँ (Hypotheses) - प्रस्तुत शोध के लिए निम्नलिखित परिकल्पनाएँ निर्मित की गयी हैं -

1. प्राइवेट एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर पाया जायेगा।
2. प्राइवेट एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरूचि में सार्थक अंतर पाया जायेगा।
3. प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरूचि के मध्य धनात्मक सह संबंध पाया जायेगा।
4. सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरूचि के मध्य धनात्मक सह संबंध पाया जायेगा।

परिसीमन (Delimitation) - प्रस्तुत शोध निम्न प्रकार से परिसीमित है -

शोध प्रक्रिया (Research Process) -

- **शोध विधि (Research Method)** – इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

IJRSSH

- **न्यादर्श (Sample)** – प्रस्तुत शोध हेतु असभाव्यता न्यादर्श प्रति चयन विधि का प्रयोग कर न्यादर्श चयन किया गया। ..... के 50 विद्यार्थी (30 छात्र एवं 20 छात्राएँ) तथा सामान्य विद्यालयों से 50 विद्यार्थियों (30 छात्र एवं 20 छात्राएँ) का चयन किया गया।
- **उपकरण (Tools) -** अध्ययन के लिए निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया है -

1. आकांक्षा स्तर मापनी – वी.पी. शर्मा तथा अनुराधा गुप्ता द्वारा निर्मित।
2. व्यावसायिक अभिरूचि मापनी – डॉ. एस.पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा निर्मित।

• **चर (Variables) -** प्रस्तुत शोध में निम्नांकित चर हैं -

(1) स्वतंत्र चर – आकांक्षा स्तर

(2) आश्रित चर – व्यावसायिक अभिरूचि

सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical Operations) – प्रस्तुत शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मध्यमान के अंतर की सार्थकता (t मान) तथा सह संबध की गणना की गयी।

परिकल्पना क्रमांक - 01

"प्राइवेट एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर पाया जायेगा।"

सारिणी क्रमांक – 01

प्राइवेट एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर परीक्षण के प्राप्तांकों का विश्लेषण

	विवरण	छात्र संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	क्रांतिक अनुपात	निष्कर्ष 5% विश्वास स्तर पर	परिणाम
1	प्राइवेट विद्यालय	50	32.16	4.04	2.41	सार्थक अंतर पाया गया	परिकल्पना स्वीकृत
2	सामान्य विद्यालय	50	27.70	4.16			

प्राइवेट एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर परीक्षण के प्राप्तांकों के मध्यमानों में अंतर अर्थात् कांतिक अनुपात का मान 2.41 है जो 5 प्रतिशत विश्वास स्तर पर प्राप्त सारिणी मान 1.96 से अधिक है। अतः मध्यमानों के मध्य सार्थक अंतर है अर्थात् दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर है। प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों का आकांक्षा स्तर सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों से अधिक है। अतः परिकल्पना क्रमांक – 01 स्वीकृत हुई।

IJRSSH

परिकल्पना कमांक – 02

"प्राइवेट एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि में सार्थक अंतर पाया जायेगा।"

सारिणी क्रमांक - 02

प्राइवेट एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि परीक्षण के प्राप्तांकों का तुलनात्मक विश्लेषण

	विवरण	छात्र संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	क्रांतिक अनुपात	निष्कर्ष 5% विश्वास स्तर पर	परिणाम
1	प्राइवेट विद्यालय	50	80.46	12.47	2.00	सार्थक अंतर पाया गया	परिकल्पना स्वीकृत
2	सामान्य विद्यालय	50	71.74	28.20			

उक्त दोनों विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि परीक्षण के प्राप्तांकों के मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन के आधार पर कांतिक अनुपात ज्ञात किया गया है। जिसका मान 2.00 है जो 5 प्रतिशत विश्वास स्तर पर प्राप्त सारिणी मान 1.96 से अधिक है अर्थात् मध्यमानों के मध्य सार्थक अंतर है। दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरूचि में सार्थक अंतर है और प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरूचि सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों से अधिक है। अतः परिकल्पना क्रमांक – 02 स्वीकृत हुई।

परिकल्पना क्रमांक – 03

"प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर और व्यावसायिक अभिरूचि में धनात्मक सह संबंध पाया जायेगा।"

सारिणी क्रमांक – 03

क.	विद्यालय	छात्र संख्या	आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरूचि में सहसंबंध गुणांक	परिणाम
1	प्राइवेट विद्यालय	50	0.696 धनात्मक (उच्च)	परिकल्पना स्वीकृत

प्रस्तुत विश्लेषण में सहसंबंध गुणात्मक का मान 0.696.है। जो कि उच्च धनात्मक सहसबंध को बताता है। अतः प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर और व्यावसायिक अभिरूचि में धनात्मक सह संबंध है। अतः परिकल्पना क्रमांक-03 स्वीकृत हुई।

परिकल्पना क्रमांक – 04

"सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर और व्यावसायिक अभिरूचि में धनात्मक सह संबंध पाया जायेगा।"

IJRSSH

सारिणी क्रमांक – 03

क.	विद्यालय	छात्र संख्या	आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरूचि में सहसंबंध गुणांक	परिणाम
2	सामान्य विद्यालय	50	0.231धनात्मक(निम्न)	परिकल्पना स्वीकृत

प्रस्तुत विश्लेषण में सहसंबंध गुणांक का मान 0.231 है जो कि निम्न धनात्मक सहसबंध को बताता है। अतः प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर और व्यावसायिक अभिरूचि में निम्न धनात्मक सह संबंध है। इसलिए परिकल्पना क्र.-04 स्वीकृत

निष्कर्ष (Conclusion) – प्रस्तुत लघु शोध में संकलित आँकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित हैं -

1. प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों का आकांक्षा स्तर सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों से अधिक है।
2. प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरूचि सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों से अधिक है।
3. प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर और व्यावसायिक अभिरूचि में उच्च धनात्मक सह संबंध पाया गया। सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर और व्यावसायिक अभिरूचि में निम्न धनात्मक सह संबंध पाया गया।

सुझाव (Suggestions)- शोध निष्कर्षों के आधार पर निम्नांकित सुझाव प्रस्तुत हैं –

1. विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर पर व्यावसायिक रूचियों का प्रभाव पड़ता है। अतः विद्यार्थियों के आकांक्षा को बढ़ाने के लिए उन्हें शाला में निरंतर प्रेरित किया जाना चाहिए।
2. शिक्षक को विद्यार्थियों की उपलब्धि को ध्यान में रखकर उचित मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए जिससे वे अपने आकांक्षा स्तर के अनुसार अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिप्रेरित हो सकें।
3. कक्षा शिक्षण प्रक्रिया में विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर को बनाये रखने एवं पोषित करने के लिए उपयुक्त वातावरण निर्मित किया जाए और उनकी जिज्ञासाओं को शांत व उत्प्रेरित करने के लिए उपयुक्त व्यावसायिक अभिप्रेरणा प्रस्तुत की जाए जिससे विद्यार्थी अपनी आकांक्षा के अनुरूप व्यावसायिक क्षमता अर्जित कर सकें।

IJRSSH

संदर्भ (References) -

1. नलगुंडवार, अनुपमा (1991-92) : +2 स्तर पर अध्ययनरत बालिकाओं की आकांक्षाओं, सामाजिक अपेक्षाओं एवं समस्याओं का विद्यालयीन पाठ्यचर्या एवं व्यवस्था के संदर्भ में अध्ययन एवं सुधार हेतु सुझाव ।
2. चन्द्राकर, एस. (2010-11) : मुस्लिम बालिकाओं के परिवार के शैक्षिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन ।
3. वर्मा, राजकमल (1995) : शैक्षिक आकांक्षा और बुद्धि का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

REFERENCES

1. Nalgundwar, Anupama (1991-92): +2 star par Adhyayanrat Balikaon ki Akankshaon, Samajik Apekshaon evum Samasyaon ka Vidyalayeen Pathyacharya evum Vyavastha ke Sandarbh me Adhyayan evum Sudhar hetu Sujhav
2. Chandrakar, S. (2010-11): Muslin Balikaon ke Parivaar ke Shaikshik Vatavaran ka Unke Akanksha Star par Padne Wale Prabhav ka Adhyayan
3. Verma, Rajkamal (1995): Shaikshik Akanksha aur Bhuddhi ka Shaikshik Uplabdhi par Prabhav ka Adhyayan

IJRSSH